



सुखकर्ता सुखकर्ता सुखकर्ता सुखकर्ता दुखहर्ता - श्री गणपति आरती



<https://chalisa.online>

सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची।

नुरवी पूर्वी प्रेम कृपा जयाची। सर्वांगी सुंदर उटी शेंदुराची। कंठी झरके माल मुक्ताफळाची॥

१ ॥ जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती। दर्शनमात्रे मनकामना पुरती॥ रत्नखचित फरा तूज गौरीकुमरा।
चंदनाची उटी कुंकुमकेशरा। हिरे जडित मुकुट शोभतो बरा। रुणझुणती नुपुरे चरणी घागरिया॥

२ ॥ लंबोदर पितांबर फनी वरवंदना। सरळ सोंड वक्रतुंड त्रिनयना। दास रामाचा वाट पाहे सदना।
संकटी पावावे निर्वाणी रक्षावे सुरवंदना। जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती। दर्शनमात्रे मनकामना
पुरती॥

३ ॥

॥ <https://hanuman-chalisa.online> ॥